सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 183 | जौनपुर, गुरूवार, 20 फरवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

विपक्ष किसी अच्छे काम का कभी समर्थन नहीं कर सकती : योगी

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में कहा कि मेरी इच्छा थी कि महाकुंभ के आयोजन के दौरान एक दिन हम सत्र (बजट) का आयोजन प्रयागराज में ही क्यों ना करें। लेकिन मुझे मालूम था कि सपा इसका विरोध करेगी। सपा किसी अच्छे काम का कभी समर्थन नहीं कर सकती... केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी महाकुंभ 2025 का हिस्सा बनने के लिए प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पहुंचे। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी कहते हैं कि भारत भक्ति की भूमि है, अपनी संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। इसे विश्वगुरु कहा जाता था, आज हम देख रहे हैं कि चंद लोगों की वजह से हमारी भक्ति में बाधा आ रही है। ऐसे में करोड़ों लोग संगम पर एक साथ आकर पवित्र डुबकी लगा रहे हैं और अपनी भक्ति प्रदर्शित कर रहे हैं...यहां आकर मुझे अच्छा लगा पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के मृत्यु कुंभ वाले बयान पर छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कहा, 300 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम था, अगर ये कुप्रबंधन नहीं है तो क्या है? लोगों को अपना सामान लेकर 25–30 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा... नहाने के लिए आने वाला पानी सीवेज के पानी में मिला हुआ है और वैज्ञानिक इसे नहाने लायक नहीं मानते, फिर भी आप करोड़ों लोगों को इसमें नहाने के लिए मजबूर कर रहे हैं... आपका काम था कि या तो नालों को कुछ दिनों के लिए बंद कर देते या फिर उन्हें डायवर्ट कर देते ताकि लोगों को नहाते वक्त शुद्ध पानी मिल सके... आपको 12 साल पहले पता था कि कुंभ 12 साल बाद आएगा, फिर आपने इस संबंध में कोई प्रयास क्यों नहीं किए... जब पहले से पता था कि इतने लोग आएंगे और जगह सीमित है, तो इसके लिए योजना बनानी चाहिए थी... आपने कोई

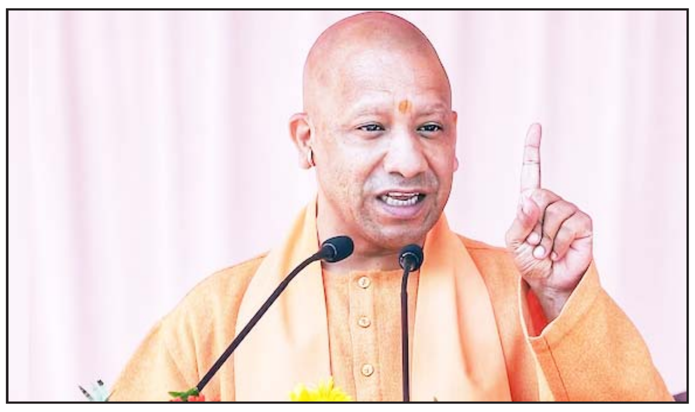

योजना नहीं बनाई... झूठा प्रचार किया गया, 144 साल की बात ही झूठ है... भीड़ प्रबंधन और आतिथ्य सिद्धांतों का पालन नहीं किया गया... ष्जब लोग मर गए, तो उन्होंने इसे छिपाने की कोशिश की, जो एक गंभीर अपराध था। ऐसे में अगर कोई इसे नाम से पुकारेगा, तो हम इसका विरोध नहीं कर पाएंगे। झारखंड भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी प्रयागराज में महाकुंभ 2025 क्षेत्र में पहुंचे। उन्होंने कहा, ष्मुझे गर्व महसूस हो रहा था, लेकिन मैं यहां आकर जो खुशी महसूस कर रहा हूं, उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता. अगर देश की एकता की कोई मिसाल है, तो वह प्रयागराज में होने वाला यह महाकुंभ है। हर कोई एक स्वर में कह रहा है कि हम सनातनी हैं, और वे पवित्र डुबकी लगा रहे हैं...व्यवस्थाएं वाकई बहुत अच्छी हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुखध्तार अब्बास नकवी की पत्नी सीमा नकवी अपने परिवार के साथ महाकुंभ पहुंचीं और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। इस अवसर पर उन्होंने जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि सहित अन्य संत–महात्माओं से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के श्मृत्यु कुंभश वाले बयान पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि ष्पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सही कहा। उनके राज्य के लोगों की भी जान गई है, बंगाल और दूसरे राज्यों से आए लोगों की बड़ी संख्या में मौत हुई है। एफआईआर भी दर्ज नहीं हो रही है। महाकुंभ का आयोजन क्यों किया गया? सदियों से श्रद्धालु आते रहे हैं, कुंभ तो प्राचीन काल से चला आ रहा है। व्यवस्थाएं बनाने की जिम्मेदारी किसकी थी? जब सीएम ने कहा कि 100 करोड़ लोगों के लिए व्यवस्था की गई है, तो लोगों का भरोसा बढ़ा। जब उन्होंने मशहूर हस्तियों और अन्य नामचीन हस्तियों को बुलाया, तो लोगों को भरोसा हुआ कि व्यवस्थाएं अच्छी होंगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ...भाजपा जनता की भावनाओं का फायदा उठा रही है, इसी कुंभ में सबसे ज्यादा गुमशुदगी के मामले सामने आए, इसी कुंभ में सबसे ज्यादा मौतें हुईं, इसी कुंभ में सबसे ज्यादा लोग बीमार हुएष्पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की महाकुंभ 2025 के लिए श्मृत्यु कुंभश वाली टिप्पणी पर भाजपा सांसद और पश्चिम बंगाल भाजपा के उपाध्यक्ष जगन्नाथ सरकार ने कहा कि ष्ममता बनर्जी ने हमेशा हिंदुओं के खिलाफ बात की है, उनका इरादा पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश में बदलने का है। वह प्रधानमंत्री बनने के लिए यह सब कर रही हैं. ..उन्होंने पश्चिम बंगाल को श्मृत्यु कुंभश में बदल दिया है। महाकुंभ एक पवित्र स्थल है, व्यवस्थाएं वास्तव में अच्छी हैं। अचानक घटना हुई लेकिन उन्होंने चुनाव से पहले लोगों को भड़काने के लिए ऐसा कहा. पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के महाकुंभ 2025 के लिए श्मृत्यु कुंभश वाले बयान पर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ष्यह करोड़ों हिंदुओं का अपमान है। यह उन लोगों का अनादर है जो भारतीय संस्कृति में आस्था रखते हैं। उन्होंने (ममता बनर्जी) महाकुंभ को श्मृत्यु कुंभश कहकर खुद ही टीएमसी के खात्मे का संदेश दे ।

पूर्व में भी सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों को लगाई थी फटकार

नई दिल्ली, (एजेंसी) ।बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान वकील ने पीठ से सुनवाई स्थगित करने की मांग की क्योंकि एक वरिष्ठ वकील सुनवाई में शामिल होने वाले थे। इस पर पीठ ने वकील को फटकार लगाई और सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर आपको लगता है कि किसी बड़े वकील का नाम लेकर आप मामले की सुनवाई स्थगित करा लेंगे तो आपका ये सोचना गलत है। जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइंया की पीठ ने एक व्यवसायिक विवाद के मामले में सुनवाई के दौरान ये टिप्पणी की। दरअसल सुनवाई के दौरान पेश हुए एक वकील ने कोर्ट से अपील की कि सुनवाई के चार हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया जाए।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय राजधानी में बारिश का अलर्ट, न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत तापमान से 0.6 डिग्री कम था। मौसम विभाग ने दिन में बारिश के साथ आंधी का अनुमान व्यक्त किया है और अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचने की संभावना है। सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 83 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस बीच, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 181 के साथ 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज किया गया।

शिवनेरी किले में फडणवीस ने छत्रपति शिवाजी को श्रद्धांजलि अर्पित की

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को पुणे के शिवनेरी किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। महान योद्धा शिवाजी का जन्म 19 फरवरी 1630 को पुणे जिले की जुन्नर तहसील के शिवनेरी में हुआ था। मुख्यमंत्री फडणवीस, उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर शिवनेरी किले में आयोजित 'पालना अनुष्ठान' समेत विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की। मराठा राजा की 395वी जयंती पर आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या लोग किले में एकत्र हुए।

ज्ञानेश कुमार ने संभाला मुख्य निर्वाचन आयुक्त का कार्यभार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। ज्ञानेश कुमार मार्च 2024 से निर्वाचन आयुक्त के पद पर कार्यरत थे और सोमवार को उन्हें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में पदोन्नत किया गया। राजीव कुमार के मंगलवार को सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद ज्ञानेश कुमार को निर्वाचन आयोग के प्रमुख की जिम्मेदारी। सौंपी गई है। सुखबीर सिंह संधू निर्वाचन आयुक्त हैं, जबकि विवेक जोशी को सोमवार को निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्त किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज को बुधवार को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "मैं छत्रपति शिवाजी महाराज को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उनकी वीरता और उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने स्वराज्य की नींव रखी तथा पीढ़ियों को साहस और न्याय के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।'

उन्होंने कहा, ''वह हमें एक मजबूत, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं।'' शिवाजी का जन्म 1630 में हुआ था। शिवाजी ने अपना साम्राज्य स्थापित करने के लिए मुगलों सहित अपने समय के कई मुस्लिम राजाओं से लड़ाई की। मराठा साम्राज्य को सबसे शक्तिशाली साम्राज्यों में से एक माना जाता है। शिवाजी महाराज न केवल सैन्य कौशल के लिए बल्कि प्रशासनिक कौशल के लिए भी जाने जाते थे।

सत्ता में भागीदारी समझौते' पर टिप्पणी करने से सिद्धरमैया का इनकार

कर्नाटक, (एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार और सहकारिता मंत्री के. एन. राजन्ना के बीच सत्ता में भागीदारी समझौते को लेकर खींचतान के बीच मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मंगलवार को कहा कि वह इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहते। ऐसी अटकलें हैं कि 'सत्ता में भागीदारी' के लिए एक गुप्त फॉर्मूला बना था, जिसके अनुसार सिद्धरमैया कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल के पहले भाग में मुख्यमंत्री होंगे और फिर शिवकुमार उनकी जगह लेंगे। कांग्रेस विधायकों और मंत्रियों का एक वर्ग सिद्धरमैया का समर्थन कर रहा है और चाहता है कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करें। दूसरी ओर, उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस प्रमुख शिवकुमार पार्टी में अपने विरोधियों को चुप कराने की कोशिश कर रहे हैं और उनसे ऐसी किसी भी चर्चा से दूर रहने के लिए कह रहे हैं। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान सिद्धरमैया ने इस मुद्दे पर कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, "मैं अब विवाद के बारे में नहीं बोलूंगा। राजन्ना और शिवकुमार ने अपने विचार व्यक्त किए हैं।" जब उनसे पूछा गया कि क्या वास्तव में 'सत्ता में भागीदारी' को लेकर कोई समझौता था, उन्होंने कहा, "मुझे आपको कितनी बार बताना पड़ेगा कि अंतिम निर्णय आलाकमान लेता है? वह (आलाकमान) जो भी निर्णय लेगा वह सभी पर लागू होगा।" राजन्ना ने सोमवार को शिवकुमार पर निशाना साधते हुए उनसे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) और पार्टी आलाकमान के नाम का दुरुपयोग न करने का आग्रह किया। वह रविवार को शिवकुमार के बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। शिवकुमार ने परोक्ष रूप से राजन्ना और मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के करीबी माने जाने वाले अन्य नेताओं व मंत्रियों पर निशाना साधते हुए।

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कतर के अमीर से मुलाकात की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मंगलवार को कतर के अमीर शेख तमीम बिन हम्माद अल–सानी से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने स्वास्थ्य एवं दवा क्षेत्र में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। भाजपा ने एक बयान में कहा कि इस मुलाकात के दौरान नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में हुई प्रगति के बारे में अल–सानी को विस्तार से बताया। उन्होंने

स्वास्थ्य देखभाल पहुंच और किफायती चिकित्सा प्रदान करने में सरकार के प्रयासों के बारे में बात की और कतर में भारतीय प्रवासियों को समर्थन देने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। बयान में कहा गया कि अल–सानी ने भाजपा की हालिया चुनावी जीत पर नड्डा को बधाई दी और प्रधानमंत्री मोदी के विकास के दृष्टिकोण की प्रशंसा की।

सीईसी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई टली

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई स्थगित कर दी है, जिसमें चुनाव आयुक्तों के चयन पैनल से भारत के मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया गया था। इससे पहले कोर्ट ने मंगलवार को कहा था कि वह मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) की नियुक्तियों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर 19 फरवरी को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ को एक गैर सरकारी संगठन की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने बताया था कि संविधान पीठ के 2023 के फैसले में कहा गया था कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्तियां ऐसा पैनल करेगा, जिसमें भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) भी शामिल होंगे। इसके बावजूद सरकार ने सीजेआई को इसमें शामिल नहीं किया और इस तरह से लोकतंत्र का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा, श्यह मामला 19 फरवरी के लिए सूचीबद्ध है, लेकिन इसे आइटम नंबर 41 के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। सरकार ने संविधान पीठ के दृष्टिकोण की अनदेखी करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त, निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की है। कृपया इसे पहले उठाएं, क्योंकि मामले पर तत्काल विचार करने की आवश्यकता है।श याचिकाकर्ता जया ठाकुर की ओर से पेश हुए अधिवक्ता वरुण ठाकुर ने कहा था कि सरकार ने नए कानून के तहत तीन नियुक्तियां की हैं, जिन्हें चुनौती दी गई है। इस पर पीठ ने भूषण और अन्य पक्षों को आश्वासन दिया कि कुछ अत्यावश्यक सूचीबद्ध मामलों के बाद वह 19 फरवरी को सुनवाई के लिए याचिकाओं पर विचार करेगी। इससे पहले सरकार ने सोमवार को ज्ञानेश कुमार को अगला मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया है। वे जनवरी 2024 में सहकारिता मंत्रालय में सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुए थे। उन्हें मार्च 2024 में उन्हें निर्वाचन आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया। राजीव कुमार के मंगलवार शाम को सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद उन्होंने बुधवार को 26वें सीईसी के रूप में शपथ ली।

राहुल गांधी ने किसे बताया अमित शाह का दाहिना हाथ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नए मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) की नियुक्ति के बाद आरोप लगाया कि ऐसे समय में यह निर्णय आधी रात को लेना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के लिए गरिमा के प्रतिकूल है, जब चयन समिति की संरचना और प्रक्रिया को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई है और 48 घंटे से भी कम समय में सुनवाई होनी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि आधी रात का तख्तापलटरू कैसे मोदी–शाह ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) की नियुक्ति पर कब्जा किया। कांग्रेस ने पोस्ट कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने यह अनिवार्य किया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) का चयन करने वाली समिति में प्रधानमंत्री (पीएम), विपक्ष के नेता (एलओपी) और भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) शामिल हों। मोदी सरकार ने एक नया कानून पारित करके सीजेआईको हटा दिया और उनकी जगह प्रधानमंत्री के चुने हुए एक मंत्री को शामिल किया, जिससे न्यायिक निगरानी कमजोर हो गई। इस कानून को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई, जिससे इसकी वैधता पर सवाल उठ गया। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई की तारीख 19 फरवरी तय की, जो नियुक्ति प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती थी। खतरे को भांपते हुए, सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से पहले ही ब्ब् चयन समिति की बैठक जल्दबाजी में बुला ली। विपक्ष के नेता ने स्थगन की मांग की और समिति से सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार करने का आग्रह किया। एक चौंकाने वाले कदम में, सरकार ने 17 फरवरी की आधी रात को, सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई से महज 2 दिन पहले, ज्ञानेश कुमार को नए के रूप में घोषित कर दिया। ज्ञानेश कुमार, जिन्हें अमित शाह का दाहिना हाथ माना जाता है, को 2024 के चुनावों की निगरानी के लिए चुना गया, जिससे भाजपा का चुनावी प्रक्रिया पर पकड़ और मजबूत हो गई। कांग्रेस की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा गया।

महाकुंभ के अमृत स्नान के बाद भी होटलों, लग्जरी कॉटेज की हो रही बुकिंग

प्रयागराज, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने शहर के पर्यटन और आतिथ्य उद्योग को काफी बढ़ावा दिया है। प्रदेश सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरकार के मुताबिक, अमृत स्नान संपन्न होने के बाद भी, प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु आ रहे हैं तथा होटलों, लॉज और लक्जरी कॉटेज की मांग उच्च बनी रहती है। उत्तर प्रदेश सरकार के एक बयान के मुताबिक, मंगलवार को त्रिवेणी संगम पर पवित्र स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 55 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई। बारह साल बाद आयोजित हो रहा महाकुंभ 13 जनवरी को शुरू हुआ और 26 फरवरी तक जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को कहा कि होटलों में बुकिंग दर में तेजी से वृद्धि हुई है, विशेष रूप से मेला क्षेत्र में, जहां 26 फरवरी के बाद के लिए कमरों की अधिक मांग है। प्रयागराज होटल्स एंड रेस्तरां वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह का कहना है कि महाकुंभ में करोड़ों की संख्या में आने वाले तीर्थयात्रियों से प्रयागराज में होटल और रेस्तरां उद्योग के मुनाफे में पांच से 10 प्रतिशत की

वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, "मौनी अमावस्या की घटना (भगदड़) के बाद लोगों ने बुकिंग निरस्त करानी शुरू कर दी थी। लेकिन छह–सात फरवरी से बुकिंग में तेजी आई और अब हालत यह है ।

केजरीवाल ने पलट दिया खेल बीजेपी से ले लिया चुनाव में हार का बदला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की सत्ता में 10 साल से काबिज जिस आम आदमी पार्टी को बीजेपी ने उखाड़ फेंका। केजरीवाल एंड टीम ने उसी बीजेपी के गढ़ में ऐसी पटखनी दी कि पूरा गेम बदल गया। भले ही दिल्ली जैसे राज्या की सत्ता न मिली हो। लेकिन बीजेपी के गढ़ गुजरात में केजरीवाल की ये जीत जख्म पर मरहम का काम जरूर करेगी। गुजरात के सलाया नगरपालिका चुनाव में आप के 8 उम्मीदवारों ने बंपर जीत हासिल की। जबकि इससे पहले छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी ने बिलासपुर के बोदरी नगर पालिका पर विजय पताका फहराया था। यानी एक राज्य में सत्ता तो जरूर गंवाई लेकिन केजरीवाल की पार्टी का कई दूसरे राज्य में खाता खुलना आम आदमी पार्टी के लिए खुशखबरी से कम नहीं है। हालांकि इससे पहले जब आम आदमी पार्टी गुजरात विधानसभा चुनाव लड़ी थी तब कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। लेकिन नगर की सरकार में आप का खाता खुलना केजरीवाल के लिए किसी शुभ संकेत से कम नहीं है। देवभूमि द्वारका में आम आदमी पार्टी को जीत की खुशी मिली है। यहां सलाया के वार्ड नं 1 और 2 में आम आदमी पार्टी ने जीत का परचम लहराया है। वहीं जूनागढ़ जिले की मांगरोल नगरपालिका के वार्ड 3 में भी झाड़ू को लोगों ने पसंद किया है। यहां आप के सभी चार प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है। वडोदरा जिले में भी आप ने अपनी जमीन मजबूत की है। यहां अरविंद

केजरीवाल की पार्टी ने चार सीटों पर जीत दर्ज की है। गुजरात में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए, जूनागढ़ के लिए 44.32 प्रतिशत, नगर पालिकाओं के लिए 61.65 प्रतिशत और तालुका पंचायत चुनावों के लिए 65.07 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इस चुनाव में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण और स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का कार्यान्वयन भी देखा गया। गुजरात स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मतदान रविवार, 16 फरवरी को हुआ और भारतीय जनता पार्टी ने 215 सीटें निर्विरोध जीत लीं, जो कुल लड़ी गई सीटों का लगभग 10 प्रतिशत है।

संपादकीय

बचपन पर भारी स्मार्टफोन

तकनीक के जरिये विकास की अंधी दौड़ में हम बहुत कुछ खो भी रहे हैं। इंसान कभी मशीन से संचालित नहीं हो सकता। मानवीय संवेदनाएं और अहसास कभी कृत्रिम नहीं हो सकते। दूसरे शब्दों में कहें तो कोई तकनीक, मशीन व उपकरण सहयोगी तो हो सकते हैं, मगर मालिक नहीं हो सकते। कमोबेश यही बात शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर कही जा सकती है। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नई शैक्षिक परिपाटी में मोबाइल की अपरिहार्यता को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मानसिक व शारीरिक समस्याएं खड़ी कर रहा है। निस्संदेह, विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र–छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि एक समय महज बातचीत का जरिया माना जाने वाला मोबाइल फोन आज दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने वाला बेहद जरूरी उपकरण बन चुका है। खासकर कोरोना संकट के चलते स्कूल–कालेजों के बंद होने के बाद तो यह पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बन गया। तब लगा था कि इसके बिना तो पढ़ाई संभव ही नहीं है। लेकिन नादान बच्चों के हाथ में मोबाइल बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा ही है। जाहिरा तौर पर ये उनके भटकाव और मानसिक विचलन का कारण भी बन सकता है। अब इसके मानसिक व शारीरिक दुष्प्रभावों पर व्यापक स्तर पर बात होने लगी है। यहां तक कि आस्ट्रेलिया समेत तमाम विकसित देश स्कूलों में मोबाइल के उपयोग पर रोक लगा रहे हैं। अब तो यूनेस्को अर्थात संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन की दुनिया में शैक्षिक स्थिति पर नजर रखने वाली टीम ने भी स्मार्टफोन के उपयोग से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जतायी है। इसकी रिपोर्ट भारत में शिक्षा के नीति–नियंताओं की आंख खोलने वाली है। यूनेस्को की टीम के मुताबिक बीते साल के अंत तक कुल पंजीकृत शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसदी ने सख्त कानून या नीति बनाकर स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन के प्रयोग पर रोक लगा दी है। दरअसल, आधुनिक शिक्षा के साथ कदमताल की दलील देकर तमाम पब्लिक स्कूलों में मोबाइल के उपयोग को अनिवार्य बना दिया गया। निस्संदेह, आधुनिक समय में स्मार्टफोन कई तरह से शिक्षा में मददगार है। लेकिन यहां प्रश्न इसके निरंकुश प्रयोग का है। साथ ही दुनिया में बेलगाम इंटरनेट पर परोसी जा रही अनुचित सामग्री और बच्चों पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों पर भी दुनिया में विमर्श जारी है। जिसमें प्रश्न बच्चों की निजता का भी है। वहीं प्रश्न ज्यादा प्रयोग से बच्चों के दिमाग व शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का भी है। निस्संदेह, शिक्षकों व अभिभावकों की देखरेख में सीखने की प्रक्रिया में स्मार्टफोन का सीमित उपयोग तो लाभदायक हो सकता है।

साप्ताहिक पैठ भी जरूरी है समाज के लिए

पंकज

दिल्ली से सटे गाजियाबाद में इन दिनों सत्ताधारी विधायक की अगुआई में बड़ा आंदोलन चल रहा है। हुआ यूं कि जिले के अलग–अलग इलाकों में लगने वाले साप्ताहिक हाट बाजार या पैठ पर नगर निगम ने रोक लगा दी। इसमें से एक स्थान भारतीय सेना का है जो इसे खाली चाहता है, जबकि बाकी बाजार व्यस्ततम सड़कों पर लगते थे। गौर करने वाली बात है कि उत्तर प्रदेश के सबसे ज्यादा जनसंख्या घनत्व वाले गाजियाबाद की सड़कों पर हर समय जाम रहता है। चर्चा यह भी है कि कई महंगे बाजारों के व्यापारी इन पैठ से खुद का नुकसान महसूस करते हैं। इन बाजारों से करीब दो लाख लोगों की रोजी–रोटी जुड़ी है और 90 प्रतिशत दुकानदार देवबंद, सहारनपुर, बिजनौर, मेरठ, मुजफ्फरनगर, हापुड़, दिल्ली व सीलमपुर आदि क्षेत्रों से आते हैं। जिन इलाकों में बाजार भरता है वहां के बाशिंदों की शिकायत है कि पैठ वाले दिन वे अपने घरों में बंधक बन जाते हैं। अकेले गाजियाबाद ही नहीं, देश के अलग–अलग हिस्सों से इन बाजारों को बंद करने की मांग उठती रहती है। कारण लगभग एक जैसे होते हैं दृ बाजार के कारण यातायात ठप्प हो जाता है तथा लोग अपने घरों में बंधक हो जाते हैं, यहां गिरहकटी होती है, या फिर इनसे गंदगी फैलती है। हालांकि असलियत दूसरी होती है। ऐसे बाजारों को बंद करने के पीछे स्थानीय व्यापारियों के कारण अलग होते हैं, जैसे कि बाजार से कम कीमत पर सामान मिलने के चलते हर सप्ताह घर का सामान खरीदने वाले लोग उनकी दुकानों पर न जाकर हाट बाजार का इंतजार करते हैं। इनमें मिलने वाली सस्ती चीजों और मोलभाव की आदत के कारण ग्राहक अक्सर उनकी दुकान पर भी दाम करने या एमआरपी जैसे मसलों पर बहस करते हैं। हाट बाजार केवल विनिमय का स्थान ही नहीं होता। मसलन, बस्तर तभी चर्चा में आता है जब वहां कुछ खून–खराबा होता है लेकिन बस्तर के पास और भी बहुत कुछ है। उसमें सबसे महत्वपूर्ण है अपनी परंपराओं, जीवनशैली और सभ्यता को सहेज कर रखने की जीवट और कला। बस्तर के जंगलों में आदिवासियों के छोटे–छोटे लगभग साढ़े तीन हजार गांव हैं। पांच–छह गांवों के मध्य एक हाट होता है, जहां लोग जरूरत की वस्तुएं खरीद–बेच सकते हैं। यहां लगने वाले हाटों में लोकल संस्कृति, खान पान और रहन–सहन के तौर तरीकों को जानने का मौका मिलता है। इन बाजारों में रोजमर्रा की चीजें, कपड़े, स्थानीय आभूषण, चींटी की चटनी, सल्फी और पारंपरिक मुर्गा लड़ाई देख सकते हैं। झारखंड में भी ऐसे बाजार खासे लोकप्रिय हैं। यह हाट बाजार उनके मनोरंजन का साधन होता है, बाहरी दुनिया को देखने का माध्यम और अपनी संस्कृति के संरक्षण का मैदान भी। बस्तर के आदिवासियों का जीवन अभी कुछ दशक पहले तक पूरी तरह जंगलों पर ही निर्भर था, महुआ, इमली, बोंडा, चिरोंजी की गुठली जैसे उत्पाद लेकर वे साप्ताहिक बाजार में जाते, वहां से नमक जैसी जरूरी चीजें उसके बदले में ले लेते। दिल्ली राजधानी क्षेत्र की हर कालोनी में ऐसे साप्ताहिक बाजार आज भी लोगों की जीवन रेखा बने हैं। कहां बस्तर के घने जंगल के बीच का बाजार और कहां दिल्ली में अट्टालिकाओं में वातानुकूलित मॉल के ठीक सामने लगने वाले बाजार में कंधे छीलती भीड़। स्थान भले ही अलग हो, लेकिन बेचने–खरीदने वाले का अर्थशास्त्र और मनोवृत्ति एक ही है। दिल्ली के डीडीए फ्लैट कालकाजी के साप्ताहिक बाजार हो या फिर वसंत विहार का बुध बाजार या करोलबाग व विकासपुरी में मंगल बाजार या फिर सुदूर भोपाल या बीकानेर या

सहरसा के साप्ताहिक हाट, ये सामाजिक समरसता का अनूठा उदाहरण होते हैं। दैनिक मजदूरी करने वाला हो, अफसर की बीवी हो या दुकानदार, सभी आपको यहां मिल जाएंगे। ये बाजार रोजगार की तलाश में अपने घर–गांव से पलायन कर आए निम्न आय वर्ग के लोगों की जीवनरेखा होते हैं। आम बाजार से सस्ता सामान, चर्चित ब्रांड से मिलता–जुलता, छोटे पैकेट, घर के पास देर रात तक सजा बाजार। स्थानीय निकाय इन पैठ वालों से नियमित वसूली करते हैं लेकिन यहां शौचालय, स्वास्थ्य, सुरक्षा जैसी कोई सुविधा नहीं होती। हाट बाजार के पीछे केवल वे ही नहीं होते जो अपना सामान बेचते हैं, और भी कई लोगों की रोजी रोटी इनसे चलती है। बाजार लगाने की जिम्मेदारी नगर निगम से लेकर पंचायत तक की होती है। पैठ का टैक्स वसूला जाता है। कई जगह निकाय इसे ठेके पर देते हैं व कारिंदे दुकानदारों से एक शाम की वसूली करते हैं। फट्टे या टेबल, तिरपाल, और बैटरी वाली लाइट सप्लाई वालों का बड़ा वर्ग हाट बाजार पर निर्भर होता है। कई लोग ढुलाई वाहन मुहैया कराते हैं। इसके अलावा इन बाजार के जरिये पैसा ऐसी जेबों तक भी घूमता है जिसका कोई हिसाब–किताब नहीं होता। अनुमान है कि दिल्ली शहर, गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद, गुघ्डगांव में लगने वाले करीब 300 हाट बाजारों में 35–40 हजार दुकानदार हैं। पूरे देश में यह संख्या लाखों में होगी, इसके बावजूद न तो इन्हें कोई स्वास्थ्य सुविधा मिली है, न ही बैंक कर्ज या बीमा सुविधा। ऐसे दुकानदारों का पूरा सप्ताह एक बाजार से दूसरे बाजार में ठिया सजाने, ग्राहक बुलाने में व्यतीत होता है, थोड़ा भी समय मिला तो उन्हें थोक के व्यापारी से माल लेना होता है। पटरी बाजारों ने नए बसते शहर देखे, चमकते मॉल का आगमन देखा, घरों में खुलती दुकानें देखीं, कई तरह के विरोध सहे, लेकिन सप्ताह के किसी तयशुदा दिन सड़क किनारे, भारी ट्रैफिक के बीच चिल्ल–पों वाले बाजार की रौनक कभी कम नहीं हुई।

भूकंप की आशंकाओं संग जीने का तरीका तलाशें

डॉ. संजय

भूकंप की चर्चा अक्सर तब होती है, जब वह किसी इलाके में आ जाता है। इसकी पुनरावृत्ति और इससे बचाव की तैयारियों की चर्चाएं कुछ दिन तक चलने के बाद खामोश हो जाती हैं। दुनिया अपनी पहली सी चाल में व्यस्त हो जाती है और भूकंप अदालत में चल रहे किसी मामले की तरह एक अगली तारीख के लिए मुल्तवी हो जाता है। जैसे, सोमवार की सुबह देश का राजधानी दिल्ली परिक्षेत्र एक जलजले की आहट से चौंक उठा। रिक्टर स्केल पर चार की तीव्रता वाला भूकंप दहलाकर चला गया, लेकिन महीना भर पहले ही पड़ोस में तिब्बत के भूकंप ने एक बड़ी चेतावनी हमें दी थी। हिमालय और इससे सटे हुए इलाकों में भूकंप का आना एक बड़ी चेतावनी माना जाता है, पर हफ्ता बीतते–बीतते भूकंप की खबर और चिंता हवा हो जाती हैं। शायद यही वजह है कि कुछ ही समय पहले भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के 150 साल पूरे होने और मिशन मौसम की शुरुआत के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैज्ञानिकों से भूकंप का सटीक पूर्वानुमान लगाने और चेतावनी देने वाली प्रणाली विकसित करने का आह्वान किया था। उद्देश्य है कि पूर्वानुमानों से भूकंप की त्रासदी को सीमित किया जा सके।

यह सुखद है कि तमाम दावों के बावजूद मोटे तौर पर 2015 के बाद से उत्तर भारत में कोई बड़ा भूकंप नहीं आया है। हालांकि, बार–बार चेताया गया है कि पर्वतीय राज्यों– खास तौर से उत्तराखंड से लेकर हमारे देश की राजधानी दिल्ली–एनसीआर की जमीन के भीतर बहुत अधिक खिंचाव की स्थिति बन गई है और यहां कभी भी ज्यादा ताकत वाला भूकंप आ सकता है। देहरादून स्थित वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने चेताया है कि हिमालय क्षेत्र में एक बड़ा भूकंप कभी भी आ सकता है। इसलिए जान–माल का नुकसान न्यूनतम करने के लिए पहले से बेहतर तैयारी जरूरी है। वहीं इस चेतावनी का समर्थन कुछ मौकों पर आईआईटी कानपुर के पृथ्वी विज्ञान विभाग के प्रोफेसरों ने भी किया है। इन वैज्ञानिकों ने कहा है कि धरती के नीचे भारतीय प्लेट व यूरेशियन प्लेट के बीच टकराव बढ़ रहा है। इससे वहां बड़े पैमाने पर ऊर्जा जमा हो गई है और वह कभी भी बड़े विस्फोट के साथ बाहर निकल सकती है। जो बड़े भूकंप का कारण बनेगी। वाडिया इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने हिंदुकुश पर्वत से पूर्वोत्तर भारत तक के हिमालयी क्षेत्र को भूकंप के प्रति बेहद संवेदनशील बताते हुए कहा है कि खतरों से निपटने के लिए संबंधित राज्यों में कारगर नीतियां नहीं हैं। निरूसंदेह, धरती के अंदर चल रही भूगर्भीय हलचलों के कारण ज्वालामुखी विस्फोटों से लेकर भूकंपों तक का खतरा लगातार बना हुआ है। हाल यह है कि धरती पर करीब 10 करोड़ भूकंप हर साल आते हैं, लेकिन उनमें से नुकसान पहुंचाने वाले भूकंपों की संख्या बेहद कम है। दशकों से भूगर्भ वैज्ञानिक लगातार कह रहे हैं कि भले ही बड़े भूकंप की कोई निश्चित तारीख नहीं बताई जा सकती। लेकिन सवाल उठता है कि क्या भूकंपों की पूर्व सूचना देने का तंत्र विकसित नहीं हो सकता। निस्संदेह, वैज्ञानिक तरक्की के बावजूद इंसान आज भी धरती के अंदर की हलचलें पहले से पढ़ पाने में नाकाम ही है। चार साल पहले ऐसी एक पहल उत्तराखंड में की गई थी। वहां साल 2021 में आपदा प्रबंधन विभाग और आईआईटी रुड़की ने मिलकर उत्तराखंड भूकंप अलर्ट ऐप तैयार किया था।

..........स्वास्थ्य..........

शर्म का नहीं सेहत का विषय

हालांकि छींक आना, डकार आना या फार्टिंग सामान्य शारीरिक गतिविधि या जैविक क्रियाएं हैं, लेकिन न केवल अपने देश बल्कि दुनिया के ज्यादातर समाजों में इनमें से कुछ प्रक्रियाओं खासकर अपान वायु उत्सर्जन या फार्टिंग को अशिष्टता के आईने से देखा गया है। अकसर

लोग सब के बीच गैस पास हो जाने पर शर्म से पानी–पानी हो जाते हैं। दरअसल इस क्रिया से पैदा होने वाली दुर्गंध और आवाज ऐसी स्थिति पैदा करती है कि व्यक्ति शर्मिंदगी महसूस करता है। हालांकि मेडिकल साइंस की नजरों से देखें तो अपान वायु का उत्सर्जन शरीर की दूसरी प्रक्रियाओं की तरह की स्वतः व जरूरी प्रक्रिया है। यही नहीं यह सेहत का विषय भी हैय क्योंकि फार्टिंग में स्वास्थ्य के कई जरूरी संकेतक छिपे होते हैं। अपान वायु का बाहर आना हमारे पाचन तंत्र और संपूर्ण स्वास्थ्य का आईना है। इसके जरिये हम अपने शरीर की सेहत संबंधी कई स्थितियों को जान सकते हैं। यानी यह गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सिस्टम की कार्यप्रणाली को दर्शाता है। पाचन प्रक्रिया में अपान वायु उत्सर्जन

वास्तव में पाचन प्रक्रिया के दौरान, जब हमारा शरीर खाए गये भोजन को तोड़ता है, तब पेट और आंतों में गैस पैदा होती है। यह गैस मुख्य रूप से हाइड्रोजन, कार्बन– डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रोजन जैसी गैसों से मिलकर बनी होती है। जब यह वायु बड़ी मात्रा में आंतों में एकत्र हो जाती है तो इसे शरीर से बाहर निकालने की जरूरत होती है जो कि पाद आने की प्रक्रिया के रूप में हमारे सामने आती है। अगर कोई व्यक्ति नियमित रूप से अपान वायु उत्सर्जन कर रहा है,लेकिन उसे पेट में दर्द या असुविधा आदि नहीं होती, तो यह आमतौर पर स्वस्थ पाचन तंत्र का संकेत है। लेकिन यदि बदबूदार है या इसमें असहजता महसूस हो तो निश्चित रूप से यह पाचन समस्या का संकेत है। इस दौरान दर्द और बदबू फूड इंटोलरेंस का भी नतीजा हो सकता है।

अच्छी सेहत से संबंध

अगर कोई व्यक्ति सामान्य तौरपर दिन में 10–20 बार अपान वायु का उत्सर्जन करता है, लेकिन पेट में किसी तरह का दर्द आदि महसूस नहीं होता तो यह उसके पाचनतंत्र के ठीक होने की निशानी है। यदि इसमें हल्की बदबू है तो भी यह सामान्य है, लेकिन यदि सामान्य से ज्यादा बदबू है तो यह खराब पाचनतंत्र या तात्कालिक रूप से किसी खाद्य पदार्थ हुए संक्रमण का भी संकेत हो सकता है। यह भी कि हमारा शरीर कुछ खाद्य पदार्थों को सही से पचा नहीं पा रहा है। अगर फार्टिंग के दौरान पेट में दर्द या ऐंठन होती है, तो यह आंतों में किसी समस्या का सूचक है। वहीं यदि किसी की पाचन प्रक्रिया के दौरान ज्यादा डकार और कम अपान वायु आ रही है, तो इसका मतलब है कि उसके शरीर में गैस पेट के ऊपरी हिस्से में अधिक इकट्ठी हो रही है।

खानपान के भी खोलता है राज

अगर पेट से उत्सर्जित अपान वायु बहुत बदबूदार है तो इसका मतलब है कि उसने ज्यादा प्रोटीन वाले खाद्य, अंडे, प्याज या सल्फरयुक्त खाद्य पदार्थ खाए हैं। अगर पेट में बहुत ज्यादा गैस बन रही है तो यह इंगित करती है कि आप बहुत ज्यादा फाइबर खा रहे हैं या आपकी आंतों में गुड बैक्टीरिया और बैड बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ा हुआ है। लेकिन अगर बहुत कम वायु आ रहा है तो यह कब्ज यानी कांस्टीपेशन की समस्या का सूचक हो सकता है क्योंकि जब पेट में मल जमा हो जाता है, तो गैस बाहर नहीं निकल पाती। अगर पेट में दर्द के साथ गैस बन रही है तो यह अपच, गैस्ट्रिक समस्या या आंतों में सूजन का लक्षण हो सकता है। दरअसल, अपान वायु उत्सर्जन शारीरिक गतिविधि और सेहत का विषय है न कि शर्म का। अगर वायु सामान्य आ रहा है और इससे कोई असुविधा नहीं, तो यह सेहतमंद पाचन तंत्र का सबूत है। लेकिन अगर इस प्रक्रिया में अत्यधिक बदबू महसूस हो रही है ।

ताकि बदलते मौसम में भी बरकरार रहे चेहरे का नूर

मौसम में जब बदलाव आता है तो उसका असर सबसे ज्यादा आपकी त्वचा पर पड़ता है। आपकी त्वचा पहले जैसी खिली–खिली नहीं रह जाती है। बहुत ज्यादा ड्राई हो जाती है या फिर आपको चेहरे पर बहुत ज्यादा चिपचिहाट महसूस होने लगती है। क्योंकि अब दिन में काफी ज्यादा गर्मी और रात में सर्दी दोनों ही मौसमों को को त्वचा को झेलना पड़ता है। लेकिन आप यदि थोड़ा सा भी ध्यान दें तो आपको त्वचा की चमक व कसाव को लेकर ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता। दरअसल, शरीर के साथ ही त्वचा पर भी पूरी तरह ध्यान देने की जरूरत होती है। यदि आप चाहते हैं कि आपकी त्वचा यानी चेहरा हमेशा कोमल और सौम्य नजर आए तो इसके लिए आपको अपने खानपान के साथ अपनी त्वचा का भी रखरखाव करना बेहद आवश्यक है।

खुद को रखें हाइड्रेटेड

हम अपनी भागती–दौड़ती जिंदगी में स्वयं का उतना भी ख्याल नहीं रख पाते हैं जिससे हमारे शरीर और त्वचा को उसका भुगतान करना पड़ता है। यदि आप भी चाहते हैं कि त्वचा आकर्षक बनी रहे तो उसके लिए आपको पानी की मात्रा सही से लेनी होगी। क्योंकि पानी की कमी से हमारी त्वचा काफी ज्यादा ड्राई हो जाती है। ऐसे में आपको थोड़े समय में ही झुर्रियां पड़नी भी आरम्भ हो जाती हैं। जैसे इन दिनों जब मौसम चेंज हो रहा है तो जरूरी है कि आप पानी की सही मात्रा लें। सात से आठ गिलास पानी अवश्य पीना चाहिए। जिससे आपकी त्वचा की नमी बरकरार रहेगी।

चेहरा हमेशा रहे साफ–सुथरा

कई लोगों को आदत होती है

कि वह अपनी साफ सफाई पर उतना ध्यान नहीं देते हैं। लेकिन आप कहीं से भी आएं तो अपना चेहरा पानी से जरूर धोएं। इससे बाहरी धूल मिट्टी से आपके चेहरे की सुरक्षा बनी रहेगी। चेहरा साफ करके अच्छी तरह मॉइश्चराइजिंग करने से बदलते मौसम में त्वचा ड्राई भी नहीं रहेगी। यानी स्किन हाइड्रेट रहेगी। इससे आपका फेस खिला–खिला नजर आएगा। त्वचा को साफ करने के लिए आप एक अच्छे फेस वॉश से चेहरे को धो सकती हैं।

सनस्क्रीन लोशन का इस्तेमाल

वैसे तो हमेशा ही सनस्क्रीन लोशन का इस्तेमाल जरूरी है लेकिन अब जब मौसम में बदलाव आ रहा है तो ऐसे में त्वचा की और ज्यादा केयर की आवश्यकता है। तो बाहर जब भी जाएं तो सनस्क्रीन लोशन जरूर लगाएं। आपकी त्वचा पर के सुरक्षा कवच की तरह यह कार्य करता है। इससे आपकी त्वचा को सूरज की किरणों से ज्यादा क्षति नहीं पहुंचती है। साथ ही यह एहतियात भी जरूरी है कि धूप में चेहरा ढक कर निकलें।

नेचुरल फेस मास्क

आजकल घर में ही बहुत अच्छा फेस मास्क बन जाता है। आप भी अपने चेहरे की गंदगी को हटाने के लिए साथ ही त्वचा की कसावट के लिए घरेलू मास्क का इस्तेमाल करें। घर में आप कॉफी का मास्क बना सकते हैं। इसके लिए आप थोड़ी सी दही में जरा सी कॉफी डाल लें। उस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर कुछ देर बाद चेहरा धो लें। यह फेस्क मास्क बेहद असरदार माना जाता है। और यदि आपके चेहरे पर किसी तरह की टेनिंग या फिर सन टैन हो गया है तो उसके लिए आप एलोवेरा का इस्तेमाल कर सकती हैं। इस कुदरती व घरेलू उपाय से आपको जल्द ही राहत मिल सकती है।

दिल की सेहत बनाने को बदलाव लाएं आदतों में

दिल का दौरा तब होता है जब हृदय की धमनियों में अवरोध हो जाता है, जिससे रक्त का प्रवाह रुक जाता है। इसका मतलब है कि हृदय को जरूरी ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और उसकी मांसपेशियां क्षतिग्रस्त होने लगती हैं। यदि इसे समय पर न रोका जाए, तो यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। दिल के दौरे को मायोकार्डियल इन्फार्क्शन भी कहा जाता है। दिल के दौरे का मुख्य कारण कोरोनरी आर्टरी डिजीज (सीएडी) है, जिसमें धमनियों में प्लाक (चर्बी, कैल्शियम और अन्य तत्वों का जमाव) जमा हो जाता है, जो रक्त प्रवाह को रोक सकता है।विश्व हृदय महासंघ के अनुसार, 80 फीसदी हृदय रोग से होने वाली मौतें निम्न और मध्यम आय वर्ग वाले देशों में होती हैं। भारत में हर साल करीब 26 लाख मौतें हृदय रोगों के कारण होती हैं, जो इसे देश में मृत्यु का प्रमुख कारण बनाता है। यदि समय पर उचित सावधानियां बरती जाएं, तो 40 फीसदी मौतें रोकी जा सकती हैं।

दिल के दौरे जैसे दिखने वाले अन्य रोग

कुछ अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी दिल के दौरे जैसी ही महसूस हो सकती हैं, जैसेरू एनजाइना दृ हृदय तक कम रक्त प्रवाह के कारण छाती में दर्द होता है। एसिड रिफ्लक्स दृ गैस्ट्रिक समस्या के कारण छाती में जलन और दर्द होता है। घबराहट के दौरे दृ तनाव और चिंता के कारण दिल की धड़कन तेज हो जाती है। श्वसन संबंधी रोग दृ सांस की तकलीफ और सीने में जकड़न हो सकती है।

क्यों जरूरी है सही पहचान?

दिल के दौरे और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के लक्षणों में समानता के कारण जल्द से जल्द मेडिकल सहायता लेना आवश्यक है। अगर किसी को सीने में दर्द, सांस लेने में कठिनाई या अत्यधिक पसीना आ रहा हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

युवाओं में बढ़ते दिल के दौरे का कारण

पिछले कुछ वर्षों में 30–40 वर्ष की आयु के युवाओं में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़े हैं। इसके प्रमुख कारण हैं

अस्वास्थ्यकर जीवनशैली रू जंक फूड और तली–भुनी चीजों का अधिक सेवन। फलों और सब्जियों का कम सेवन। मोटापा और हाई कोलेस्ट्रॉल। कम शारीरिक गतिविधि और गलत आदतें रू बैठे रहने की आदत दृ व्यायाम की कमी से हृदय कमजोर हो सकता है। धूम्रपान और शराब का सेवन दृ यह रक्त धमनियों को संकुचित कर हृदय रोग बढ़ा सकता है। मानसिक तनाव और नींद की कमी रू वर्क प्रेशर और तनाव से हार्मोनल असंतुलन हो सकता है। रात में कम सोने की आदत हृदय की सेहत को नुकसान पहुंचाती है। अन्य कारण रू डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर। वायु प्रदूषण दृ पीएम 2.5 जैसे प्रदूषकों का बढ़ा स्तर हृदय रोगों को बढ़ा सकता है।

रूटीन हेल्थ चेकअप की कमी दृ समय पर जांच न कराने से बीमारियां गंभीर हो सकती हैं।

प्रबंधन/कर्मचारी द्वारा परीक्षार्थी को अनुचित सहायता देने या देने का प्रयास करने पर 10 साल तक के कारावास एवं 10 लाख तक के जुर्माना - जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित परिषदीय हाईस्कूल/इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 सकुशल संपन्न कराए जाने के संबंध में बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा अवगत कराया गया कि हाईस्कूल/इण्टर) परीक्षा वर्ष-2025, 24 फरवरी 2025 से प्रारम्भ होकर 12 मार्च 2025 के मध्य में दो पालियों में (प्रथम पाली समय-प्रातः 8:30 बजे से 11.45 बजे तक, द्वितीय पाली सायं 2.00 बजे से 5.15 बजे तक) की अवधि में आयोजित होगी। कक्षा-10 में कुल पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या 74938, कक्षा-12 में कुल पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या 80164, वर्ष 2025 में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 155102 है। कुल 218 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। जिसके लिए जोनल मजिस्ट्रेट 06, सेक्टर मजिस्ट्रेट 23 एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट 218 तैनात किये गये हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि सार्वजनिक परीक्षाओं के संचालन में अनुचित साधनों का प्रयोग एवं प्रश्न पत्रों के समय से पूर्व प्रकटन को रोकने, साल्वर गिरोह का निषेध करने और संबंधित सभी मामलों में दंड की व्यवस्था करने के लिए 2024 में नवीन अधिनियम बनाया गया है। इस अधिनियम का उद्देश्य छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए सार्वजनिक परीक्षा में अधिक पारदर्शिता, निष्पक्षता और विश्वसनीयता लाना है। इसमें छात्रों को उनके भविष्य के दृष्टिगत आपराधिक दायित्व से मुक्त रखा गया है परंतु सार्वजनिक परीक्षाओं को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने वाले दोषियों के विरुद्ध निर्णायक और कठोर कार्रवाई का प्राविधान किया गया है। सार्वजनिक परीक्षा के संचालन में सम्मिलित प्रश्न पत्र की तैयारी, कोडिंग डिकोडिंग, मुद्रण, संग्रहण, सुरक्षित अभिरक्षा और वितरण, सार्वजनिक परीक्षा का पर्यवेक्षण, उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन, परिणाम की घोषणा और उससे संबंधित अन्य सभी कार्य किये गये है।

शिक्षा क्षेत्र के लिए उन्नत बजट – पीयूष सिंह चौहान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस.आर. ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के वाइस चेयरमैन श्री पीयूष सिंह चौहान ने वित्त वर्ष 2025–26 के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट का स्वागत किया है। उन्होंने वित्त मंत्री श्री सुरेश खन्ना द्वारा शिक्षा क्षेत्र के लिए 13 प्रतिशत राशि आवंटित करने और उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही मेधावी छात्राओं को पात्रता के आधार पर स्कूटी देने की योजना की सराहना की। श्री चौहान ने कहा कि इस बजट में बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के विकास के लिए की गई घोषणाएं सराहनीय हैं। विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम महत्वपूर्ण हैं। इसके साथ ही, खेल क्षेत्र में छात्रों के लिए नई योजनाओं की घोषणा यह दर्शाती है कि सरकार ने शिक्षा और युवा विकास को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि इस बजट के माध्यम से न केवल शिक्षा बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। अन्य विभागों के लिए की गई घोषणाएं प्रदेश के समग्र विकास में सहायक सिद्ध होंगी।

भाकियू भानु गुट की विशाल किसान महापंचायत सम्पन्न हुई

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। राजधानी में भारतीय किसान यूनियन भानु गुट के प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा के नेतृत्व में चल रही गरीब किसान न्याय पदयात्रा वृंदावन पहुंच कर विशाल किसान महापंचायत में तबदील हो गई। प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा के नेतृत्व में किसानों और नौजवानों ने बेहद ही अनुशासन के साथ पदयात्रा का समापन किया। इस यात्रा का हर चौराहे पर क्षेत्रीय जनता द्वारा भव्य स्वागत और अभिनन्दन किया गया था। बुधवार को रात्रि विश्राम वृंदावन मैदान परिसर में करने के बाद एक दिवसीय किसान न्याय पदयात्रा का समापन और विशाल किसान महापंचायत आयोजित हुई जिसमें हजारों की संख्या में किसान उपस्थित रहें। भाकियू भानु गुट के उत्तर प्रदेश मुख्य महासचिव तारा सिंह बिष्ट ने कहा किसान कर्ज माफी, किसान आयोग का गठन, विद्युत फ्री, पुलिस प्रशासन व राजस्व प्रशासन द्वारा किसानों से लगातार किए जा रहे भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने व लखनऊ मंडल के समस्त जनपदों की नहरों में जल प्रवाह सुचारू रूप से संचालित किए जाने व लखनऊ विकास प्राधिकरण आवास विकास परिषद में हो रहा भ्रष्टाचार पर रोक लगाए जाने को लेकर सरकार द्वारा राजस्व अधिकारियों को निर्देशित करने व गांव में घरौनी कार्य को पूरा करने को लेकर जो अभी तक संपन्न नहीं किया गया साथ ही विगत 14 वर्षों से किसानों की जमीन का सर्किल रेट नहीं बढ़ाए जाना और उसके शीघ्र सर्किल रेट बढ़ाने को लेकर किसानों से अन्य सभी संबंधित तमाम मुद्दों को लेकर किसान महापंचायत का आयोजन किया गया है। लखनऊ जिलाध्यक्ष अनुरेंद्र कुमार (अन्नू) ने कहा कि सरकार द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित करें जाने की मांग करते हुए इस किसान महापंचायत का आयोजित किया गया है। प्रदेश प्रभारी ऋषि मिश्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के गरीब किसान पर हो रहे अत्याचार पर अंकुश लगाए जाने को लेकर इस महापंचायत से सरकार का चेतावनिया एलान करते हुए कहा है कि अगर हम किसानों की बात नहीं सुनी जाएगी तो आगामी विधानसभा चुनाव 2027 पर हमारे पूरे उत्तर प्रदेश का किसान सरकार को मुंहतोड़ जवाब देगा। अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सरकारी अधिकारी को सौंप दिया है जिसमें प्रमुख रूप से किसान आयोग का गठन करना जिसमें अध्यक्ष और सदस्य किसान होने चाहिए, किसानों का सम्पूर्ण कर्ज माफ करना, किसान को दुर्घटना होने पर जीवन यापन भत्ता एक करोड़, पुलिस कर्मी के शहीद होने पर दो करोड़, मीडिया कर्मी को रिपोर्टिंग के समय शहीद होने पर चार करोड़ और सैनिक के शहीद होने पर पांच करोड़ का जीवन यापन भत्ता दिया जाए। सिंचाई हेतु बिजली पूरी तरह माफ हो और सरकार निजिकरण बंद किया जाए।

मुख्य मार्गो से अवैध अतिक्रमण हटाये जाने हेतु बैठक सम्पन्न'

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में नगर के दो मुख्य मार्गो पर व्याप्त अतिक्रमण को हटाये जाने के संबध में नगर निगम के प्रवर्तन दल के साथ कलेक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने अपर नगर आयुक्त एस0के0 सिंह को निर्देश दिए कि जेल रोड से केरूगंज तथा बहादुरगंज से चारखंभा तक सड़कों, नालों से अवैध अतिक्रमण, बोर्ड एवं होर्डिंगस हटाने हेतु तत्काल टीमें गठित कर कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सड़कों एवं नालों पर सामान रखने वाले दुकानदारों से बता दें कि सड़कों एवं नालों पर कोई भी सामान नहीं रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि चेतावनी के बाद भी कोई दुकानदार सामान नहीं हटाता है, तो उन पर 20–20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया जाए। उन्होंने कहा कि जब तक दुकानदार सामान रखना बंद ना करें उन पर प्रतिदिन जुर्माना लगाया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कलेक्ट्रेट से खिरनीबाग, केरूगंज, चारखम्भा एवं कोतवाली तक विशेष रूप से अभियान चलाकर अवैध लगे बोर्ड, होर्डिंग्स के अतिक्रमण को हटवाया जाए। किसी भी दशा में कोई दुकानदार सड़कों पर अपना समान न रखे, अपने काउण्टर, बोर्ड दुकान की सीमा में ही लगाएं यह सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की फोटो एवं वीडियोग्राफी करने के भी निर्देश दिये।बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक राजेश एस, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार प्रधान, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार पाण्डेय, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार एवं अपर नगर आयुक्त एस0के0 सिंह सहित प्रवर्तन दल के सदस्य मौजूद रहे।

शहर मे भवन व अन्य प्रतिष्ठानो के स्वामी भी श्रद्धालुओ से अपने यहाँ ठहराकर कर रहे भारी भरकम वसूली

अयोध्या। राम नगरी में प्रतिदिन लाखों की श्रद्धालुओं के आवाजाही के चलते होटल,रेस्टोरेंट,पेइंग गेस्ट हाउस की बल्ले बल्ले तो है ही,इसके अलावा शहर में विभिन्न स्थानों पर बने कांमलेक्स व भवन स्वामी भी अपने यहां इन श्रद्धालुओं को ठहरा रहे हैं यहां पर ठहरने वाले श्रद्धालुओं की माने तो 3000 हजार से चार हजार रुपए तक भवन वसूल रहे हैं।बताते चले कि महाकुंभ मेला प्रयागराज के बाद से रामनगरी में प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु आ रहे है। रामनगरी में श्रद्धालुओं की इतनी भीड़ है कि इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं पिछले माह से रामनगरी को जोड़ने वाले विभिन्न राष्ट्रीय मार्ग तथा संपर्क मार्गों पर पुलिस प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं को रोकने के लिए होर्डिंग एरिया भी बनाया गया है। श्रद्धालुओं का दबाव अयोध्या धाम में अधिक ना हो इसको लेकर थोड़े–थोड़े घंटे के बाद रामनगरी जाने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा इन श्रद्धालुओं को छोड़ा जाता है।सिर्फ अयोध्या धाम व अयोध्या शहर ही नहीं बल्कि आसपास के 10 से 15 किलोमीटर की परिधि में स्थित होटल,रेस्टोरेंट सभी पहले से ही बुक हैं।वही अयोध्या धाम व अयोध्या शहर में स्थित पेइंग गेस्ट हाउस,धर्मशाला में भी श्रद्धालुओं की भारी संख्या में भीड़ देखी जा सकती है।जिसके चलते बाहर से आने वाले लाखों के संख्या में श्रद्धालुओं को रात गुजारने के लिए काफी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। इसी का फायदा अयोध्या धाम व अयोध्या शहर के भवन वह अन्य प्रतिष्ठान के लोग उठा रहे हैं।देखा जाए तो अयोध्या शहर में ही रिकाबगंज,सिविल लाइन,बेनीगंज, साहबगंज, दिल्ली दरवाजा, हैदरगंज,शाहजहांपुर, अश्विनी पुरम कॉलोनी,वजीरगंज जप्ती,नाका,सहित कई ऐसे मोहल्ले व कॉलोनियां हैं,जहां पर लोग अपने–अपने घरों में श्रद्धालुओं को रोक रहे हैं।इन श्रद्धालुओं को रोकने की बात तो ठीक है लेकिन इनसे भारी भरकम वसूली करना अयोध्या की छवि को धूमिल करना हो रहा है।इस संबंध में अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्विनी पांडे ने बताया कि यह मामला बहुत ही गंभीर है।जो भी लोग श्रद्धालुओं से इस तरह की वसूली कर रहे हैं।उसकी जांच कराएंगे। कहा कि होटल,गेस्ट हाउस,पेइंग गेस्ट हाउस के अयोध्या विकास प्राधिकरण में जिनके मानचित्र स्वीकृत है उन्हें ही श्रद्धालुओं को रोकने की अनुमति है। अगर कोई भी अवैध रूप से श्रद्धालुओं से अपने आवास में रुकवा कर उसके बदले अवैध वसूली करते पाया गया तो उसके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

जिलाधिकारी ने की शिकायत निस्तारण की समीक्षा

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

''हरदोई' गुरुवार को जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा के दौरान विभिन्न शिकायतकर्ताओं से सीधे फोन से बात की, साथ ही उन्होंने निस्तारणकर्ता अधिकारी से भी बात कर निस्तारण के दौरान अपनायी गयी प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने निस्तारणकर्ता अधिकारियों को निर्देश दिए कि मौके पर जाकर जाँच अवश्य की जाये। आख्या को अंतिम रुप से अपलोड करने से पहले अच्छी तरह से पढ़ लिया जाये। शिकायतकर्ता से संवाद किया जाये। इस अवसर पर सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पारदर्शिता के लिए बनी है आईटीआई – डा. राहुल सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 एवं जनहित गारंटी अधिनियम 2011 पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को हुआ। कार्यशाला का आयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय की ओर से किया गया।

इसमें आरटीआई ऑनलाइन उत्तर प्रदेश के टीम हेड डॉ. राहुल सिंह ने बतौर विशिष्ट अतिथि ने आरटीआई अधिनियम 2005 एवं जनहित गारंटी अधिनियम 2011 की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सूचना का अधिकार अधिनियम नागरिकों को सरकारी विभागों से जानकारी प्राप्त करने का अधिकार देता है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि जनहित गारंटी अधिनियम 2011 के तहत नागरिकों को सरकारी सेवाओं की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने प्रतिभागियों को इन कानूनों का सही ढंग से उपयोग करने के तरीके बताए और कहा कि आरटीआई कैसे भ्रष्टाचार को रोकने में सहायक हो सकता है। उन्होंने कहा कि सूचना का मुख्य मकसद पारदर्शिता था। सूचना ऑब्जेक्ट के रूप में है, सूचना वही मिलेगी जो भौतिक रूप में हो या उनके ऑफिस के रिकॉर्ड में हो। 250 देश में सूचना के अधिकार को लागू किया गया है। कार्यशाला में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि इसका उपयोग सकारात्मक होना चाहिए। इसके दुरुपयोग से संबंधित व्यक्ति और दफ्तरों की परेशानियां बढ़ती है। उन्होंने कहा कि आज आरटीआई की वजह से हर अधिकारी पारदर्शिता से काम कर रहा है। छात्र कल्याण प्रो. अजय द्विवेदी ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कहा कि आज आरटीआई की वजह से दफ्तरों की कार्यशैली में पारदर्शिता आई है। सूचनाओं को प्राप्त करने का यह अचूक हथियार है। कार्यक्रम का संचालन उद्देश्य सिंह ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलसचिव महेंद्र कुमार, प्रो.अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. राजकुमार, प्रो. प्रमोद कुमार यादव. डॉ.रसिकेश, डॉ नृपेन्द्र सिंह, डॉ. अनुराग मिश्र, डॉ आलोक गुप्ता ,डॉ मनोज विक्रम सिंह, डॉ .आलोक दास, डॉ प्रियंका सिंह आदि मौजूद थीं।

रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर भाजपा महिला मोर्चा में खुशी – अलका गुप्ता

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रभारी उत्तर प्रदेश महिला मोर्चा श्रीमती रेखा गुप्ता को देश की राजधानी दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर श्रीमती अलका गुप्ता जिलाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा ने अपने निज निवास कोतवाली रोड हरदोई पर पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ एक दूसरे को मिठाई खिलाकर व पटाखे/आतिशबाजी करते हुए जश्न मनाया। इस अवसर पर श्रीमती अलका गुप्ता ने कहा कि समय समय रेखा दीदी का हमको मार्गदर्शन मिलता रहा है व व्यक्तिगत मुझे बहुत ही स्नेह आशीर्वाद दीदी का मिलता रहा। अभी हाल ही में शालीमार बाग से टिकट मिलने पर व विजई होने पर विधायक बनने पर दूरभाष पर दीदी से लंबी दूरभाषिक वार्ता में बधाई व शुभकामनाएं देते हुए आशीर्वाद प्राप्त हुआ। आज हम सबके लिए अत्यंत हर्ष व गर्व का दिन है। इस निर्णय से मैं प्रधानमंत्री जी का 33: का अधिकार मातृशक्ति को देते हुए देश की राजधानी दिल्ली का मुख्यमंत्री का दायित्व देने के लिए हम सभी प्रधानमंत्री जी एवं शीर्ष नेतृत्व का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करते हुए अभिनंदन करते हैं।

इस अवसर पर कविता टंडन, सुमन सिंह, सीमा मिश्रा, रूपा कश्यप, सावित्री भारती, शशि गुप्ता, आशा कश्यप, गीता, रश्मि, मंजू सिंह, दिनेश कश्यप, अनुज आदि अन्य उपस्थित रहे।

आईजी कार्यालय में तैनात मुख्य आरक्षी व आरक्षी ने रुपयों से भरा पर्स वापस कर पेश किया ईमानदारी की मिशाल

अयोध्या। एक बार फिर खाकी नहीं ईमानदारी का मिसाल पेश किया।यह मिसाल आईजी कार्यालय में तैनात मुख्य आरक्षी विनोद कुमार सिंह व आरक्षी पुष्प राज यादव ने मंदिर परिसर में ड्यूटी के दौरान श्रद्धालु को उसका रुपयों से भरा पर्स वापस कर किया।बताते चले कि आईजी कार्यालय अयोध्या में तैनात मुख्य आरक्षी विनोद कुमार सिंह व आरक्षी पुष्प राज यादव ने मंदिर परिसर ड्यूटी के दौरान ईमानदारी की मिशाल पेश किया।जिस पर आईजी प्रवीण कुमार ने उनकी ईमानदारी पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दिया।बताते चले कि गुजरात राज्य के सूरत निवासी उमाकांत आचार्य राम जन्मभूमि दर्शन करने के लिए अयोध्या आए थे।मंदिर दर्शन के दौरान उनके जेब में रखा 39 हजार पांच सौ रुपए भीड़ में कहीं गिर गए।

इसकी जानकारी जब मुख्य आरक्षी विनोद कुमार सिंह आरक्षी पुष्पराज यादव को हुई तो दोनों जवानों ने अथक परिश्रम करके खोए हुए रुपए को ढूंढ निकाला।खोई हुई रुपये को वापस पाकर दर्शनार्थी उमाकांत ने उत्तर प्रदेश पुलिस को दिल से धन्यवाद दिया।

प्रभारी डीएम/सीडीओ की अध्यक्षता मे जिला स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। गुरुवार को प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न हुई।इस मौके पर सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड–2 मानिक चंद्र ने गत तिमाही में विभाग द्वारा कृत कार्यो का विवरण प्रस्तुत किया।जिसमें खाद्य पदार्थो पर प्रवर्तन कार्यवाही के तहत वित्तीय वर्ष 2023–24 में 2939 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुये 327 छापे की कार्यवाही में 417 खाद्य पदार्थो के नमूनें संग्रहित किये गये। जहाँ 270 जॉच रिपोर्ट मे 152 खाद्य पदार्थ मानक के विपरीत पाये गये तथा अभियोजन कार्यवाही के अन्तर्गत 228 वाद म0 न्यायालय में योजित किये गये एवं म0 न्यायालय द्वारा आलोच्य अवधि में 247 वादों का निर्णय किया गया।जिसमें कुल 6981000₹– मात्र का अर्थदण्ड अधिरोपित कराया गया।बताया कि वित्तीय वर्ष 2024–25 माह जनवरी 2025 तक 2262 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुये 354 छापे की कार्यवाही में 458 खाद्य पदार्थो के नमूनें संग्रहित किये गये जहाँ 421 जॉच रिपोर्ट प्राप्त हुयी जिसमें 253 खाद्य पदार्थ मानक के विपरीत पाये गये तथा अभियोजन कार्यवाही के अन्तर्गत 389 वाद म0 न्यायालय में योजित किये गये एवं न्यायालय द्वारा आलोच्य अवधि में 260 वादों का निर्णय किया गया जिसमें कुल 7330000/– मात्र का अर्थदण्ड अधिरोपित कराया गया।बताया कि अध्यक्ष के समक्ष न्यायालय सम्बन्धी कार्यवाही, विभिन्न न्यायालयों में वादों की पैरवी की स्थिति विभाग द्वारा जारी किये गये लाईसेन्सध्पंजीकरण की अद्यतन स्थिति तथा खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की योजनाओं के अन्तर्गत जनपद में कराये गये कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया गया। सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड–2 द्वारा बैठक का एजेण्डा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सहायक आयुक्त (खाद्य) ग्रेड–2 द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि एक स्ट्रीट फूड हब जनपद में प्रस्तावित है।जिलापूर्ति विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर तहसीलवार दिनांक 26.02.2025 से दिनांक 28.02.2025 तक खाद्य लाइसेंसध्पंजीकरण कैम्प का आयोजन कर खाद्य लाइसेंस एवं पंजीकरण वृद्धि के निर्देशित किया गया साथ ही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, को भी लाइसेंसध्पंजीकरण वृद्धि हेतु कैम्प का आयोजन करने हेतु निर्देशित किया गया है। वही अयोध्या धाम में स्थित सभी खाद्य प्रतिष्ठान होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट इत्यादि को निर्धारित रेट लिस्ट चस्पा करवाने के निर्देश दिये गये ताकि देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को शुद्ध एवं उचित दाम का भोजन/पेय पदार्थ प्राप्त हो सके और वह अच्छा संदेश लेकर जायें।

रमेश चंद्र श्रीवास्तव बने जिला उपाध्यक्ष प्रदीप बने महासचिव संदीप बने संगठन महासचिव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद जौनपुर के जिला अध्यक्ष गिरिजेश कुमार श्रीवास्तव ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ई मयंक श्रीवास्तव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोपाल जौहरी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ एन के सिन्हा,राष्ट्रीय महासचिव दिनेश कुमार माथुर जयपुर, राष्ट्रीय सचिव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया से विचार विमर्श कर जौनपुर जिले टीम घोषित किया जिसमें जिलाध्यक्ष गिरिजेश कुमार श्रीवास्तव जिला महासचिव प्रदीप श्रीवास्तव कोटवा, जिला संगठन महासचिव एवं मीडिया प्रभारी संदीप श्रीवास्तव पत्रकार, बनाए गए। जिला उपाध्यक्ष पद पर रमेश श्रीवास्तव पूर्व प्रशासनिक अधिकारी, प्रमोद श्रीवास्तव पूर्व बैंक अधिकारी, डॉ आशीष श्रीवास्तव कबूलपुर, अमर श्रीवास्तव, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, अश्विनी श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव एडवोकेट हुए। वही जिला संगठन सचिव पद पर रुद्र प्रताप श्रीवास्तव, जिला मंत्री पद पर श्रीमती सरला श्रीवास्तव, आलोक वर्मा, अवनीश श्रीवास्तव दीपक, रूपेश श्रीवास्तव, मंगल श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव पूर्व डीपीआरओ, देवेन्द्र श्रीवास्तव बनाए गए। महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती सुमति श्रीवास्तव अध्यापिका, जितेंद्र श्रीवास्तव कोषाध्यक्षऔर अंजनी श्रीवास्तव जिला संगठन मंत्री बनाये गए है। जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद जौनपुर जिलाध्यक्ष गिरिजेश श्रीवास्तव ने बताया कि संगठन की नवनियुक्त पदाधिकारी की एक बैठक रविवार 23 फरवरी को दोपहर माता मैहर देवी जी मंदिर उमरपुर में आयोजित किया गया है जिसमें सभी पदाधिकारी को आमंत्रित है। राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद जौनपुर टीम घोषित होने पर राकेश श्रीवास्तव साधु,चंद्रमोहन श्रीवास्तव,विश्वप्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार संजय श्रीवास्तव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट, दयाल सरन श्रीवास्तव, डॉ उमाकांत श्रीवास्तव प्रिंसिपल, मनोज श्रीवास्तव ,संतोष श्रीवास्तव, अजय वर्मा ,गौरव श्रीवास्तव राजा,अमित श्रीवास्तव , मुन्ना श्रीवास्तव, उमेश श्रीवास्तव डॉ संजय श्रीवास्तव,रवि श्रीवास्तव ,मनीष श्रीवास्तव आदि ने बधाई दिया।

गोलाघाट से टेढुई सड़क चौड़ीकरण परियोजना का हुआ शुभारंभ

सुल्तानपुर। जिले में प्रयाग–अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर गोलाघाट से टेढुई के बीच सड़क चौड़ीकरण परियोजना का शुभारंभ किया गया। विधायक विनोद सिंह ने 68 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस परियोजना की आधारशिला रखी और नारियल फोड़कर कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता अरुण कुमार,प्रशासनिक अधिकारी दिनेश सिंह और राजेश पांडे की मौजूदगी में भूमि पूजन संपन्न हुआ। विधायक विनोद सिंह ने कहा कि इस सड़क चौड़ीकरण का सपना उन्होंने बचपन से देखा था,जो वन विभाग और केंद्र सरकार के सहयोग से अब साकार हो रहा है।परियोजना के तहत अगले छह महीनों में यह सड़क फोरलेन जैसी चौड़ी हो जाएगी,जिससे यातायात सुगम होगा और क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

काशी विश्वनाथ दर्शन के बाद रामलाल के दर्शन को जा रही श्रद्धालुओं से भारी टूरिस्ट बस ट्रक में टकराई कुल 9 की मौत हुई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर थाना अंतर्गत गुरुवार तड़के दो अलग–अलग सड़क हादसों ने कई परिवारों को झकझोर दिया।सरोखनपुर अंडरपास के पास हुई इन दुर्घटनाओं में 9 लोगों की जान चली गई जबकि 27 लोग घायल हुए है। पहला हादसा रात 1:30 बजे हुआ। जौनपुर से सुल्तानपुर जा रही टाटा सूमो को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में 11 यात्रियों में से 5 की मौत हो गई। मृतकों में 3 महिलाएं, एक पुरुष और एक नाबालिग बच्चा हैं। झारखंड के हजारीबाग की कांति देवी (60) और नितेश कुमार (20) की पहचान हो चुकी है। 6 घायलों को जिला अस्पताल जौनपुर में भर्ती कराया गया है।

अयोध्या, बलरामपुर, सीतापुर व गोंडा में ग्राम पंचायत उपचुनाव के लिए मतदान जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। मिल्कीपुर के बाद पंचायत उपचुनाव में ग्राम प्रधान की दो सीटों के लिए मतदान जारी है। मया बाजार ब्लॉक के भिटौरा और वंदनपुर ग्राम पंचायत के बूथों पर मतदान चल रहा है। सुबह 7:00 बजे से ही मतदाता पहुंचने

शुरू हो गए। इस दौरान सुरक्षा के भी सख्त इंतजाम किए गए हैं। दोनों ग्राम पंचायत में मतदान के लिए चार–चार बूथ बनाए गए हैं। यहां पर एक दिन पहले ही पोलिंग पार्टियां पुलिस फोर्स के साथ पहुंच गई थीं। बुधवार सुबह थाने की फोर्स की सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई। मतपत्रों के माध्यम से मतदान हो रहा है। शाम 5:00 बजे तक मतदान चलेगा। भिटौरा में 2518 और वंदनपुर में 2594 वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जोनल मजिस्ट्रेट एसडीएम सदर विकासधर दुबे लगातार सभी बूथों का भ्रमण कर रहे हैं। इनके अलावा सेक्टर मजिस्ट्रेट के रूप में तहसीलदार सदर प्रदीप चौधरी और नायब तहसीलदार गौरी शंकर वर्मा बूथों का निरीक्षण कर रहे हैं। शाम 5रू00 बजे मतदान खत्म होने के बाद मतपेटिकाओं को ब्लॉक मुख्यालय के स्ट्रांग रूम में रखवाया जाएगा। 21 फरवरी को यहीं पर मतगणना होगी। इसके बाद परिणाम घोषित किया जाएगा। मया बाजार की ग्राम पंचायत वंदनपुर में प्रधान पद के लिए माया , सती प्रसाद, राम नरेश, रामयज्ञ व सुनीता कुल पांच प्रत्याशी भाग्य आजमा रहे हैं। ग्राम पंचायत भिटौरा में शिवानी वर्मा, प्रमिला यादव, शकुंतला और लालती यादव के बीच मुकाबला है। पंचायतों के रिक्त पदों के लिए उपचुनाव शुरू हो गया है। 13 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला मतदाता करेंगे। चुनाव कराने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। मतदान केंद्रों पर पुलिसबल की तैनाती की गई है। सुबह सात बजे से शुरू हुआ मतदान शाम पांच बजे तक चलेगा। एलिया की बीवीपुर आलमपुर और खैराबाद ब्लॉक की दहेलिया श्रीरंग ग्राम पंचायत के प्रधान पदो के लिए सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ। पुलिस बल और सेक्टर मजिस्ट्रेट की निगरानी में हो रहे मतदान में पहले 3 घंटे में तकरीबन 15 फीसदी मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। शाम 5 बजे तक मतदान होगा। इसके बाद मतपेटियों को ब्लॉक मुख्यालय में बनाए गए स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा।

लोकतंत्र के महापर्व में वोटरों का उत्साह उमड़ रहा है। जिले के तीन ग्राम पंचायतों में रिक्त प्रधान के सीटों पर बुधवार को उप चुनाव कराया जा रहा है। तुलसीपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत भंगहाकला में पांच व मुड़िला में आठ और गैसड़ी ब्लॉक के मध्यनगर में दो बूथों पर सुबह सात बजे से मतदान किया जा रहा है। सुबह 10 बजे तक 18 फीसदी वोटरों ने मतदान किया है। वोटर दिव्यांग दीनानाथ ने बताया कि गांव के विकास के मुद्दे पर मतदान किया है। 90 वर्षीय राम खेलावन ने वोट डालकर लोकतंत्र को मजबूत बनाने का संदेश दिया। उप चुनाव में शाम पांच बजे तक मतदान किया जाएगा।

अखिलेश का पोस्ट सोशल मीडिया पर डाला तो लाठी-डंडों से पीटा, पुलिस बोली- शराब पीने को लेकर हुआ विवाद

लखनऊ, (संवाददाता)। गोंडा में समाजवादी लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव की पिटाई का मामला सामने आया है। बताया जा रहा हे कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पोस्ट सोशल मीडिया पर डालने को लेकर मारपीट हुई पर पुलिस ने इससे इंकार किया है। समाजवादी लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव लाल चंद्र गौतम की मंगलवार की रात पिटाई कर घायल करने का मामला सामने आया है। आरोप लगाया है कि अखिलेश यादव का पोस्ट सोशल मीडिया पर पोस्ट करने पर कुछ लोगों ने उन्हें मारापीटा। घायल का इलाज मेडिकल कॉलेज में कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। झौहना गांव निवासी लालचंद गौतम का कहना है कि 18 फरवरी की रात करीब 9 बजे वह अपने रानीपुरवा स्थित आवास से अपने पैतृक गांव झौहना जा रहे थे। रास्ते में वह चंदवतपुर घाट पर दिलीप मौर्या से मिलकर निकला तभी अज्ञात लोगों ने उस पर हमला बोल दिया। सोशल मीडिया पर अखिलेश यादव की पोस्ट को लेकर रॉड से मारापीटा। हमले में उसका सिर फट गया। मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में उनका इलाज कराया गया। मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में पुलिस व सपा नेताओं के बीच नोंकझोंक भी हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले पर कोतवाल देहात संजय कुमार का कहना है कि पूरा मामला शराब पीने को लेकर हुआ है। एक बाइक की चाभी निकालने को लेकर मारपीट हुई। अखिलेश यादव के पोस्ट को लेकर आरोप पूरी तरह से गलत है। इस मामले में पुलिस कार्रवाई कर रही है।

प्रदेश के इन 32 जिलों में सीएम मॉडल कंपोजिट विद्यालय स्वीकृत

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में एक ही परिसर में प्री प्राइमरी से कक्षा 12 तक की शिक्षा के लिए मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालयों का निर्माण कराया जाएगा। प्रदेश में प्रस्तावित 39 में से 32 जिलों में ये विद्यालय स्वीकृत हो गए हैं। लगभग 1000 करोड़ से इनका निर्माण कराया जाएगा। शासन ने अब तक नौ विद्यालयों के लिए बजट स्वीकृत कर दिया है, जबकि बाकी प्रक्रिया में हैं। प्रदेश में मंडल मुख्यालयों को छोड़कर बाकी जिलों में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय के निर्माण का प्रस्ताव है। ये विद्यालय परिषदीय या उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कैंपस में ही बनाए जाएंगे। यहां 30 क्लासरूम से युक्त बिल्डिंग बनाई जाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप कक्षा एक से 12 तक की अलग–अलग कक्षाएं यहां चलेंगी। हर विद्यालय का निर्माण लगभग 25 करोड़ की लागत से होगा। यहां डिजिटल एजुकेशन प्लेटफॉर्म व डिजिटल लर्निंग के सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार जिन जिलों में ये विद्यालय स्वीकृत हुए हैं उनमें सीतापुर, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, बाराबंकी, बिजनौर, महाराजगंज, कानपुर देहात, अंबेडकरनगर, बुलंदशहर, लखीमपुर खीरी, बलिया, ललितपुर, हमीरपुर, फिरोजाबाद, मैनपुरी, औरैया, फर्रुखाबाद, हरदोई, अमरोहा, जालौन, चित्रकूट, शाहजहांपुर, कौशांबी, मऊ, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, चंदौली, गाजीपुर, कासगंज, संभल शामिल हैं। वहीं पांच जिलों में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के तहत ओएनजीसी द्वारा इन विद्यालयों का निर्माण कराया जाएगा। इसमें

रामपुर, बहराइच, भदोही, हाथरस व बदायूं शामिल हैं। बजट स्वीकृत होते ही जल्द ही इन सभी विद्यालयों का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। लखीमपुर खीरी के लिए 23.83 करोड़, बुलंदशहर के लिए 24.38 करोड़, अमरोहा के लिए 23.86 करोड़, बिजनौर के लिए 23.26 करोड़, रायबरेली के लिए 24.11 करोड़, सीतापुर के लिए 23.95 करोड़, अमेठी में 23.51 करोड़, हरदोई के लिए 23.49 करोड़, महराजगंज के लिए 24.07 करोड़ बजट स्वीकृत करते हुए 50 फीसदी राशि जारी भी कर दी गई है।

घरेलू विवाद में पत्नी को पीटकर मार डाला

लखनऊ, (संवाददाता)। आजाद खेड़ा गांव में रहने वाले राजकुमार ने सोमवार रात घरेलू विवाद में पत्नी कंचन को पीटकर मार डाला। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के समय आरोपी नशे में धुत था। उसने तीन बच्चों के सामने ही पत्नी की डंडों से पिटाई की थी। मंगलवार सुबह मां के नहीं जगने पर बच्चों ने पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा के मुताबिक कंचन के पिता कल्लू की तहरीर पर राजकुमार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी भागने की फिराक में था। राजकुमार ने वारदात के बाद शव को कपड़े से ढ़ंक दिया था। राजकुमार परिवार के साथ गांव के बाहर झोपड़ी बनाकर रहता था। सोमवार रात वह शराब के नशे में घर पहुंचा और पत्नी से झगड़ा करने लगा। शोरगुल होने पर पड़ोसियों ने बीचबचाव कर शांत करा दिया। थोड़ी देर बाद दंपती में फिर से झगड़ा शुरू हो गया। राजकुमार ने डंडे से ताबड़तोड़ पत्नी पर कई वार कर दिए। पुलिस का कहना है कि आरोपी शराब का लती है। घरेलू विवाद में पत्नी की हत्या की है। कंचन पर हमला करने के बाद आरोपी उन्हीं के बगल में सो गया। इस दौरान कंचन दर्द से कराह रही थीं। अगर उसी समय इलाज कराया होता तो शायद उनकी जान बच जाती। मां को दर्द से तड़पता देखकर बच्चे भी रोने लगे, जिन्हें आरोपी ने डांटकर शांत करा दिया। ग्रामीणों ने बताया कि अक्सर दंपती में विवाद होता रहता था। राजकुमार मजदूरी करता था। घटना के वक्त उसके बच्चे पीयूष (11), प्रियांशी (5) व प्रिंस (2) डर की वजह से खामोश लेटे रहे।

राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम से होगी सभी 75 जिलों की निगरानी

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में 24 फरवरी से शुरू हो रही यूपी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके तहत तीन स्तरीय मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में राज्य स्तर पर माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशालय में कंट्रोल रूम बनाया गया है। यह एक हफ्ते पहले सक्रिय हो गया है। यहां लगे 54 कंप्यूटर से सभी 75 जिलों के केंद्रों की निगरानी की जाएगी। बोर्ड परीक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी व नकल आदि पर रोकथाम लगाने के लिए विभिन्न स्तर पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। इसी के तहत जिला, क्षेत्रीय कार्यालय व राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। राज्य स्तर पर बने कंट्रोल रूम से सभी जिलों के परीक्षा केंद्रों की अलग–अलग निगरानी की जाएगी। मंगलवार से इन कंप्यूटर को सक्रिय कर दिया गया है। इसके माध्यम से सीसीटीवी ठीक तरीके से चल रहे हैं या नहीं, स्ट्रॉन्ग रूम में बने कैमरे सक्रिय हैं या नहीं, व्यवस्थाओं आदि की जांच की जा रही है। माध्यमिक शिक्षा विभाग से जुड़े लोगों ने बताया कि यहां ड्यूटी में लगे शिक्षकों–कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वह किस तरह से काम करेंगे, उन्हें परीक्षा के दौरान किन–किन चीजों की निगरानी करनी है। उन्होंने बताया कि केंद्र में किसी तरह की आपत्तिजनक स्थिति मिलने पर यहां से सीधे संबंधित केंद्र को फोन कर इसे ठीक कराया जाएगा। इसी क्रम में बोर्ड परीक्षा से जुड़ी किसी भी तरह की जानकारी देने के लिए टोलफ्री नंबर, व्हाट्सएप नंबर, सोशल मीडिया अकाउंट भी जल्द सक्रिय कर दिए जाएंगे। बता दें कि परीक्षा को नकलविहीन आयोजित कराने के लिए राज्य स्तर से 15 मंडल स्तरीय पर्यवेक्षक भी बनाए गए हैं। जो अपने–अपने संबंधित जिलों में जाकर परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था जांच रहे हैं। जबकि जिला स्तर पर बनाए गए पर्यवेक्षक व स्टेटिक मजिस्ट्रेट भी परीक्षा संबंधित व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। विभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि स्टेटिक मजिस्ट्रेट को बहुत जरूरी होने पर ही बदला जाए।

परिवहन आयुक्त ने सपा के पूर्व एमएलसी पर कराया केस

लखनऊ, (संवाददाता)। परिवहन आयुक्त आईएएस बीएन सिंह की पत्नी मीनल के नाम दर्ज विनीत खंड के प्लॉट पर कब्जे का प्रयास किया गया। बनी बाउंड्री गिराकर प्लॉट को बेचने की कोशिश की गई। मामले में परिवहन आयुक्त ने गोमतीनगर थाने में सपा के पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। आरोप है कि कब्जे की साजिश उदयवीर सिंह के दिल्ली स्थित आवास पर रची गई थी। बिल्डर शक्ति सिंह, अविनाश सिंह सिंकू और एलडीए के अज्ञात कर्मचारियों के खिलाफ भी धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी के मुताबिक विवेचना चल रही है। परिवहन आयुक्त के मुताबिक नई दिल्ली में वसंत कुंज निवासी उनकी पत्नी मीनल को वर्ष 1977 में एलडीए से प्लॉट आवंटित हुआ था। बीएन सिंह का कहना है कि उनकी पोस्टिंग ज्यादातर दिल्ली व एनसीआर क्षेत्र में रही, जिस कारण वे प्लॉट पर निर्माण नहीं करा सके। पांच माह पहले पड़ोसी ने बताया कि खुद को एलडीए का अफसर बताकर कुछ लोगों ने उनके प्लॉट की बाउंड्री का एक हिस्सा तोड़ दिया है। आरोपियों ने यहां लगे पेड़ भी काट दिए। बीएन सिंह ने एलडीए अधिकारियों से संपर्क किया। पता लगाया कि उनके प्लॉट से संबंधित दस्तावेज किसी अन्य को तो नहीं दे दिए गए। एलडीए ने इससे इन्कार किया। इसी बीच परिवहन आयुक्त के पास अमित भटनागर नाम के व्यक्ति ने फोन कर प्लॉट की बिक्री के संबंध में जानकारी मांगी तो उन्होंने मना कर दिया। संदेह होने पर बीएन सिंह ने प्लॉट की बाउंड्री के मुख्य गेट पर प्लॉट बिकाऊ नहीं है... का बोर्ड लगा दिया। साथ ही बाउंड्री का फिर से निर्माण कराने लगे। आरोप है कि खुद का नाम धनंजय सिंह बताते हुए पहुंचा शख्स इसका विरोध करने लगा। वहीं, 11 फरवरी को कुछ लोग आए और बाउंड्री दोबारा गिरा दी और बोर्ड भी हटा दिया। जानकारी करने पर पता चला कि अविनाश ने साथियों के साथ ऐसा किया है। परिवहन आयुक्त का कहना है कि उन्होंने मौके पर जाकर छानबीन की। पूछने पर धनंजय सिंह नाम के व्यक्ति ने बताया कि अयोध्या के शक्ति सिंह ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्लॉट खरीदने का प्रयास किया है। धोखाधड़ी की योजना सपा के पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह के दिल्ली स्थित आवास पर बनाई गई। परिवहन आयुक्त के मुताबिक बातचीत की रिकॉर्डिंग उन्होंने पुलिस को सौंपी है। आईएएस बीएन सिंह ने सरकारी अफसरों की मिलीभगत से जमीनों पर कब्जा करने वाले गिरोह की जांच की मांग भी की है। आरोप है कि अविनाश हाल में ही जेल से रिहा हुआ है। शक्ति सिंह ने उनका प्लॉट खरीदने के लिए अग्रिम रकम भी दे दी थी। आईएएस ने प्लॉट से संबंधित कागजात निकालकर देने वाले एलडीए कर्मचारियों पर भी सख्त कार्रवाई की मांग की है। आईएएस ने जरूरत पड़ने पर उन्हें और पत्नी को सुरक्षा देने पर विचार करने की बात भी कही है। मामला मेरी जानकारी में नहीं है। मीडिया से पता चला है। मुझे नहीं पता कि किसने प्लॉट खरीदा या किसे बेचा। जिन पर आरोप है उनसे मेरा कोई सरोकार नहीं है। फोन पर भी मेरी इनसे कभी बात नहीं हुई। सारे आरोप निराधार हैं। पुलिस की विवेचना में सबकुछ स्पष्ट हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

महाकुंभ को मृत्युकुंभ कहने वाले विक्षिप्त मानसिकता के, डिप्टी सीएम बोले – माफी मांगें ममता दीदी

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने महाकुंभ को लेकर की गई टिप्पणियों के लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को निशाने पर

लेते हुए उन्हें विक्षिप्त मानसिकता का करार दिया है और उनसे माफी मांगने की अपील की है। उप मुख्यमंत्री केशव ने एक्स पर कहा कि अखिलेश यादव और ममता बनर्जी को सिर्फ माफिया, मोहर्रम, मौलाना और मुस्लिम तुष्टीकरण पसंद है, इसलिए उन्हें भारतीय संस्कृति के विराट स्वरूप महाकुंभ से चिढ़ हो रही है। महाकुंभ को श्मृत्युकुंभश कहना करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का अपमान है। इस तरह के बयान विक्षिप्त मानसिकता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की घटना दुर्घटना दुखद है किंतु कुंभ को ही मृत्यु कुंभ कहना सरासर गलत है। ममता दीदी माफी मांगे। बता दें कि सरकारी दावों के मुताबिक महाकुंभ में अब तक 55 करोड़ से ज्यादा लोग स्नान कर चुके हैं।

नहर में उतराता मिला अज्ञात युवक का शव, हत्या की आशंका

लखनऊ, (संवाददाता)। मोहनलालगंज इलाके के राजा खेड़ा गांव के पास बुधवार की सुबह नहर के पानी में शव उतराता देख इलाके मे सनसनी फैल गई। शव को पुलिस निकलवाया तो नहर में एक बाइक भी बरामद हुई। युवक की पहचान नही हो सकी है। सुबह लगभग आठ बजे नहर मे शव उतराता देख राहगीरो ने इसकी सूचना पुलिस को दी। शव को पानी से निकालने नहर में उतरे लोगों को पानी में डूबी बाईक भी मिली है बाइक में बिहार का नंबर है। मृतक के चेहरे व सिर में चोट के निशान हैं। शव मिले स्थान पर दुर्घटना होने का कोई निशान नहीं मिला है जिससे ऐसी आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कर बाइक समेत शव को नहर में फेंक दिया गया होगा। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। एसीपी रजनीश वर्मा के मुताबिक शव की शिनाख्त कराने की कोशिश की जा रही है पुलिस पड़ताल कर रही है।

महाकुंभ से वापस लौटते समय पुलिया से टकराईं कार, एक की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। महाकुंभ से वापस लौटते समय मंगलवार की रात कटरा किशुनदासपुर मार्ग पर बड़ा हादसा हो गया। कार के पुलिया से टकराने के कारण कार चालक दिलीप कुमार पांडेय (30) निवासी झिलाही बाजार की मौत हो गई। इसके अलावा कार में सवार दिलीप की माता ज्ञानमती देवी (60) गंभीर रूप से घायल हो गईं साथ ही रिश्तेदार अनीश तिवारी (28) निवासी ग्राम जोगापुर का हाथ टूट गया है। घायलों को सीएचसी ले जाया गया जहां से गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

कारखाने में फंदे से लटका मिला युवक का शव

लखनऊ, (संवाददाता)। बिजनौर के गढ़ी मोहल्ले में रहने वाले गुलजार (23) का शव मंगलवार सुबह मिट्टी के बर्तन बनाने के कारखाने में फंदे से लटका मिला। पुलिस मामले को आत्महत्या बता रही है। फिलहाल परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है। कारखाने से कुछ दूरी पर ही गुलजार का घर है। कारखाना पकरा के पटवारी मोहल्ला निवासी मो. इलियास का है। करीब दो साल से गुलजार यहां मजदूरी कर रहा था और यहीं रहता भी था। इलियास सुबह करीब 8:30 बजे कारखाने पहुंचा तो वहां शेड में पड़े बांस से रस्सी के सहारे गुलजार का शव लटका देखा। इंस्पेक्टर बिजनौर अरविंद कुमार राणा का कहना है कि शुरुआती जांच में युवक की मौत आत्महत्या लग रही है। युवक का मोबाइल फोन कब्जे में लिया गया है।

सॉल्वर गैंग के गुर्गे के घर पर कुर्की का नोटिस चस्पा

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस विभाग की वायरलेस ऑपरेटर भर्ती परीक्षा में सॉल्वर बैठाने वाले गिरोह के गुर्गे अमरोहा के पपसरी खादर के पहाड़पुर इनायत गांव निवासी आरोपी लोकेंद्र के घर पर कुर्की का नोटिस चस्पा किया गया है। यह कार्रवाई चिनहट पुलिस ने अमरोहा जाकर की। थाना प्रभारी भरत पाठक के मुताबिक तीन फरवरी 2024 को चिनहट स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर साइंस कैंपस में हेड ऑपरेटर मैकेनिकल वायरलेस विभाग की परीक्षा चल रही थी। दूसरी पाली में लोकेंद्र के स्थान पर अमरोहा का पुरमाफी टूर निवासी सौरभ कुमार पेपर दे रहा था, जिसे कक्ष निरीक्षक ने पकड़ लिया था। पुलिस ने केस दर्ज कर सौरभ को गिरफ्तार कर लिया था। लोकेंद्र के खिलाफ कोर्ट ने गैर जमानती वारंट भी जारी किया था। आरोपी लोकेंद्र के तार सॉल्वर गैंग से जुड़े होने की बात जांच में सामने आई थी। जल्द ही आरोपी के खिलाफ कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

सफाई में लापरवाही पर नगर निगम के तीन कर्मचारी निलंबित

लखनऊ, (संवाददाता)। सफाई कार्य में लापरवाही पर नगर आयुक्त ने नगर निगम के तीन कर्मचारियों को मंगलवार को निलंबित कर दिया। यदुनाथ सान्याल और जेसी बोस वार्ड में निरीक्षण के दौरान गंदगी मिलने पर यह कार्रवाई की गई। कंपनी रामकी को भी काम में सुधार की चेतावनी दी गई है। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह मंगलवार सुबह यदुनाथ सान्याल वार्ड पहुंचे तो नालियां चोक मिलीं। गलियों और सड़कों की सफाई भी सही नहीं थी। इस पर उन्होंने बीट इंचार्ज महेश कुमार और सफाई कर्मचारी पिंटू को निलंबित कर दिया। इसके बाद नगर आयुक्त पास के जेसी बोस वार्ड पहुंचे। यहां भी सफाई व्यवस्था बदहाल मिली। इस पर उन्होंने सफाई सुपरवाइजर मुकेश को निलंबित कर दिया। नगर आयुक्त विवेकानंदपुरी वार्ड भी गए। यहां सेक्टर–एच पार्क के पास खुले में कूड़ा पड़ा देख उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई और कंपनी को चेतावनी देते हुए पोर्टेबल कॉम्पैक्टर लगाने के निर्देश दिए। कंपनी के प्रोजेक्ट प्रमुख अनुपम मिश्रा को निर्देश दिए कि 48 घंटे में कूड़ाघर की स्थिति को सुधारा जाए। नगर आयुक्त ने सभी जोन के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे सुबह सात बजे से फील्ड पर रहकर निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराएंगे। किसी सड़क या गली में पैचवर्क की जरूरत है तो उसे कराया जाए। पार्कों की सफाई करने के निर्देश दिए। कहा, यह जिम्मेदारी उद्यान विभाग की है और वह उस पर विशेष ध्यान दें। नगर आयुक्त ने सभी जोनल अफसरों से कहा कि वे अपने जोन के सभी वार्डों में ऐसा स्थल चुनें, जिसे सफाई में सबसे बेहतर कहा जा सके।

भाई के साथ टहल रही युवती से छेड़छाड़, विरोध पर धमकाया

लखनऊ, (संवाददाता)। इंदिरानगर इलाके में भाई के साथ टहल रही युवती से दो शोहदों इंदिरानगर निवासी करन सिंह रघुवंशी और शिवम सिंह ने छेड़छाड़ की। विरोध पर युवती को धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस ने केस दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। बलिया की रहने वाली युवती भाई के साथ इंदिरानगर इलाके में रहती है। उसके अनुसार स्कूल के दो पूर्व सहपाठी करन सिंह और शिवम सिंह उनको कुछ समय से परेशान कर रहे थे। सोमवार शाम वह घर के पास भाई के साथ टहल रही थीं। इस बीच बाइक से दोनों पहुंचे और छेड़छाड़ करने लगे। विरोध पर गाली–गलौज की और भाग गए।

विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव को मार्शलों ने निकाल कर बाहर किया

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी विधान परिषद में सदन की कार्यवाही के दौरान नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव को मार्शलों ने निकाल कर बाहर कर दिया। वो सभापति से कुंभ पर चर्चा का समय बढ़ाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान सपा के सभी सदस्य वेल में थे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।